भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3957

उत्तर देने की तारीख 18 अगस्त, 2025

27 श्रावण, 1947 (शक)

नेतृत्व पाठ्यक्रम

3957. श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाहः

श्री भोजराज नाग:

श्री सुरेश कुमार कश्यपः

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत नेतृत्व विकास पाठ्यक्रम प्रदान करने वाली प्रमुख ज्ञान प्रदाता संस्थाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) इन पाठ्यक्रमों में शामिल प्रमुख विषय और शिक्षण उद्देश्य क्या हैं;

(ग) कक्षा शिक्षण को सुदृढ़ करने के लिए व्यावहारिक गतिविधियों को किस प्रकार शामिल किया जाता है; और

(घ) पाठ्यक्रमों के सफल समापन पर प्रदान किए गए प्रमाणपत्रों या मान्यता प्रमाणपत्रों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री

(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय वर्तमान में अपने अधीन किसी भी प्रमुख ज्ञान प्रदाता संस्थाओं में नेतृत्व विकास पाठ्यक्रम संचालित नहीं करता है। हालाँकि, शिक्षा मंत्रालय का उच्चतर शिक्षा विभाग, मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) नामक एक केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम का क्रियान्वयन कर रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, नेतृत्व विकास से संबंधित दो प्रमुख पहल हैं: नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम (एनएफएलपी) और शैक्षणिक नेतृत्व कार्यक्रम (एएलपी)।

नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम (एनएफएलपी) का उद्देश्य उच्चतर शिक्षा के संकाय सदस्यों में करियर के शुरुआती चरण में नेतृत्व क्षमता विकसित करना, उन्हें शासन, रणनीतिक निर्णय निर्धारण और संस्थागत विकास के लिए तैयार करना है। इस कार्यक्रम को प्रबंधन/नेतृत्व प्रशिक्षण में विशेषज्ञता रखने वाले 50 प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा कार्यान्वित किया जाना है। वर्तमान में, 32 उच्चतर शिक्षा संस्थानों को होस्ट संस्थान के रूप में चिह्नित किया गया है, जिनमें 16 भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) - आईआईएम बैंगलोर, आईआईएम इंदौर, आईआईएम जम्मू, आईआईएम

कोझीकोड, आईआईएम लखनऊ, आईआईएम मुंबई, आईआईएम नागपुर, आईआईएम रायपुर, आईआईएम रांची, आईआईएम संबलपुर, आईआईएम शिलांग, आईआईएम तिरुचिरापल्ली (त्रिची), आईआईएम उदयपुर, आईआईएम विशाखापत्तनम, आईआईएम बोध गया और आईआईएम काशीपुर; 8 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) - आईआईटी मुंबई, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद, आईआईटी गांधीनगर, आईआईटी कानपुर, आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी मद्रास और आईआईटी रुड़की और 8 अन्य प्रमुख नए जुड़े निजी संस्थान - जेवियर लेबर रिलेशंस इंस्टीट्यूट (एक्सएलआरआई), जमशेदपुर; मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एमडीआई), गुरुग्राम; एस. पी. जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, मुंबई; इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट आनंद (आईआरएमए), गुजरात; गोवा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, सैंक्वेलिम, गोवा; टी. ए. पाई मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, मणिपाल; फ्लेम यूनिवर्सिटी, पुणे; और शिव नादर यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा शामिल हैं। अब तक, एनएफएलपी ने 120 कार्यक्रमों को पूरा करके 3,171 संकाय सदस्यों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है।

शैक्षणिक नेतृत्व कार्यक्रम (एएलपी) का उद्देश्य वरिष्ठ शैक्षणिक अग्रणियों को शैक्षणिक संस्थान की जटिलताओं का प्रबंधन करने का कौशल प्रदान करना और उन्हें नवाचार को बढ़ावा देने, एनईपी 2020 सुधारों को लागू करने और प्रभावी नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाना है। यह कार्यक्रम दूरदर्शी नेतृत्व, परिवर्तन प्रबंधन और हितधारक जुड़ाव पर बल देता है। प्रारंभ में आईआईटी जम्मू द्वारा इसका संचालन शुरू किया गया था और अब इसे मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत भारतीय प्रबंधन संस्थान बैंगलोर द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। अब तक, कार्यक्रम के चार समूहों में 66 संकाय सदस्यों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

(ख) नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम (एनएफएलपी) के होस्ट संस्थानों को कार्यक्रम के व्यापक उद्देश्यों के अनुरूप पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने और उसके क्रियान्वयन के तरीके तय करने की स्वायत्तता प्राप्त है। इसका मुख्य उद्देश्य छह प्रमुख विषयगत क्षेत्रों में प्रभावी नेतृत्व की मूलभूत दक्षताओं का सृजन करना है:

i. टीमवर्क: लोगों को प्रभावित करना, परिवर्तन को उत्प्रेरित करना, विवाद समाधान, विश्वास स्थापित करना और शक्तियों/कमजोरियों का प्रबंधन करना।

ii. संचार: सक्रिय श्रवण, परानुभूति, सार्वजनिक भाषण कौशल, पेशेवर लेखन और विचारों का समर्थन।

iii. स्व-प्रबंधन: भावनात्मक लचीलापन, प्रेरणा, आत्म-जागरूकता, तनाव प्रबंधन और समय प्रबंधन।

iv. व्यावसायिक कौशल: बातचीत, वित्तीय प्रबंधन, समता/समावेशन, रणनीतिक सोच और परिवर्तन प्रबंधन।

v. आलोचनात्मक सोच: रचनात्मक समस्या-समाधान, निर्णय लेना, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और पूर्वाग्रहों का प्रबंधन।

vi. कर्तव्यनिष्ठ नागरिकता: नैतिक और प्रामाणिक नेतृत्व, स्थिरता, सामाजिक जुड़ाव और अखंडता।

शैक्षणिक नेतृत्व कार्यक्रम (एएलपी) को निम्नलिखित प्रमुख क्षेत्रों में दक्षताओं का विकास करके वरिष्ठ शैक्षणिक अग्रणियों की क्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए डिज़ाइन किया गया है:

i. आधारभूत नेतृत्व: आत्म-जागरूकता, साझा ज्ञान आधार, पेशेवर नेटवर्क और संस्थागत प्राथमिकता निर्धारण।

ii. रणनीतिक नेतृत्व: रणनीतिक सोच, जटिल चुनौतियों का समाधान, नवाचार और परिवर्तन प्रबंधन।

iii. टीम और हितधारक जुड़ाव: सामूहिक निर्णय लेने के माध्यम से सहयोग, समावेशी संस्कृति और साझा स्वामित्व।

iv. नेतृत्व उत्कृष्टता: डेटा-आधारित निर्णय लेना और उत्तराधिकार नियोजन।

v. स्थिरता: सामुदायिक संबंध और वित्तीय स्थिरता प्रणालियाँ।

अध्ययन के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- उच्चतर शिक्षा में संभावित नेताओं के समूह का विस्तार करना।
- शासन, निर्णय निर्धारण और समस्या- समाधान में सक्रिय भूमिकाओं के लिए संकाय को तैयार करना।
- नेतृत्व कौशल विकसित करने के लिए प्रारंभिक से वरिष्ठ कैरियर संकाय के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना।
- संस्थानों को संकाय में नेतृत्व क्षमता की पहचान और मूल्यांकन करने में सक्षम बनाना।

(ग) एनएफएलपी और एएलपी दोनों ही समझ और अनुप्रयोग को गहन करने के लिए कक्षा सत्रों को व्यावहारिक घटकों के साथ मिश्रित करते हैं:

- केस अध्ययन: समस्या-समाधान और रणनीतिक योजना के लिए वास्तविक दुनिया के परिदृश्य प्रस्तुत करना।
- कार्यशालाएँ और समूह गतिविधियाँ: समूह अभ्यास, रोल-प्ले और टीम-आधारित कार्यों का उपयोग टीम वर्क, निर्णय लेने और वार्ता कौशल विकसित करने के लिए किया जाता है।
- अग्रणियों के साथ पैनल चर्चाएँ: प्रख्यात शैक्षणिक और उद्योग जगत के अग्रणियों के साथ वार्ता।

- अनुभवात्मक गतिविधियाँ: ऐसे उदाहरणों में योग सत्र, कृतज्ञता अभ्यास, इंटरैक्टिव बैठक व्यवस्था और अन्य स्वास्थ्य-उन्मुख गतिविधियाँ शामिल हैं जो नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए आवश्यक जागरूकता, तनाव प्रबंधन और लचीलापन विकसित करने के लिए शामिल हैं।
- सहकर्मी से सीखना और नेटवर्किंग: समूह गतिविधियाँ, अनौपचारिक चर्चाएँ और सहयोगात्मक अभ्यास अनुभवों को साझा करने, परस्पर सीख लेने और व्यावहारिक अंतर्दृष्टि के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।
- प्रतिभागी प्रस्तुतियाँ और विशेषज्ञ प्रतिक्रिया: प्रतिभागी सहकर्मियों और विशेषज्ञ पैनल के सामने महत्वपूर्ण सीख प्रस्तुत करते हैं जिससे चिंतनशील अभ्यास और सार्वजनिक भाषण कौशल को बढ़ावा मिलता है।

(घ) होस्ट संस्थान द्वारा इनके सफलतापूर्वक पूरा होने पर, “सहभागिता प्रमाणपत्र” प्रदान किया जाता है।

*****